वानिकी समाचार

अर्धवार्षिक

वर्ष 8 अंक–1

जनवरी से जून 2016

• कार्यशालाएं/सेमीनार/बैठकें आदि

✶ भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

- संयुक्त पर्वतीय विकास अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नेपाल के सहयोग से प्रारंभ की गई परियोजना 'उत्तर–पूर्वी हिमालय में आर ई डी डी$^+$ के अंतर्गत बांस और बेंत उच्च अनुसंधान केंद्र (बा.बे.उ.अ.कें.), आईजॉल द्वारा मिजोरम वन विभाग के सहयोग से 28 और 29 जनवरी 2016 को प्रारंभिक कार्यशाला।

आर ई डी डी$^+$ परियोजना के तहत 28 एवं 29 जनवरी 2016 को आईजॉल में प्रारंभिक कार्यशाला

- 'उच्च तुंगीय औषधीय पादपों' पर राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (रा.औ.पा.बो.) द्वारा प्रायोजित कार्यशाला का आयोजन 21 और 22 मार्च 2016 को।
- रा.औ.पा.बो. प्रायोजित परियोजना 'भारत में औषधीय पादपों की मांग और आपूर्ति के आकलन हेतु अध्ययन एवं सर्वेक्षण' पर राष्ट्रीय परामर्श का आयोजन 23 मार्च 2016 को।
- 'पवित्र कैलाश भू–दृश्य क्षेत्र, भारत में आर ई डी डी$^+$ कार्यक्षेत्रीय अध्ययन' के लिए चंडक–औंला जल संभरण पर ग्राम नौकीना के ग्रामीण समुदाय तथा वन पंचायत सदस्यों के साथ हितधारकों के परामर्श का 5 मई 2016 को पिथौरागढ़ में आयोजन।

✶ वन अनुसंधान संस्थान (व.अ.सं.), देहरादून

- गंगा की निर्मलता के लिए राष्ट्रीय मिशन पर डी पी आर अवमुक्त करने हेतु इंडिया हैबीटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली में 22 मार्च 2016 को 'गंगा के लिए वानिकी प्रायोज्यता हेतु डी पी आर' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन। सुश्री उमा भारती, माननीय केंद्रीय मंत्री, जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण; श्री प्रकाश जावड़ेकर, माननीय, केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन; प्रोफेसर सांवरलाल जाट, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय की उपस्थिति में डी पी आर अवमुक्त की गई।

गंगा के लिए डी पी आर पर वानिकी प्रयोज्यता पर नई दिल्ली में 22 मार्च 2016 को राष्ट्रीय कार्यशाला

- व.अ.सं, देहरादून में सुगंध एवं सुरस विकास केंद्र, कन्नौज के सहयोग से 'सुगंधित तेल, इत्रसाजी तथा गंध चिकित्सा' पर 13 से 17 जून 2016 तक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 30 भागीदार शामिल हुए।

✶ वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान (व.आ.वृ.प्र.सं.), कोयम्बटूर

एवं साई जीनोमिक्स साल्सूशंस, कोयम्बटूर द्वारा 'चुनौतीपूर्ण द्विबीजी पादपों के जातीय डी एन ए निष्कर्षण' पर 19 फरवरी 2016 को कार्यशाला का आयोजन किया गया।

✶ काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (का.वि.प्रौ.सं.), बंगलुरू

द्वारा 28 जून 2016 को 'काष्ठ उद्योग की बैठक' का आयोजन किया गया। बैठक में 85 भागीदार उपस्थित हुए।

✶ हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (हि.व.अ.सं.), शिमला

- रा.औ.पा.बो. निधिकृत परियोजना के तहत किश्तवाड़, जम्मू में 4 फरवरी 2016 को 'औषधीय पादपों के नाशीकीट एवं बीमारियों के नियंत्रण हेतु रक्षण प्रौद्योगिकी पर अंतः सक्रिय बैठक' आयोजित की गई।

- भारतीय वन प्रबंधन संस्थान, भोपाल द्वारा राष्ट्रीय वन नीति 1988 की समीक्षा एवं संशोधन हेतु हिमाचल प्रदेश के विभिन्न कृषि जलवायुवीय क्षेत्रों में ग्रामीणों के साथ एकाग्र सामूहिक विचार–विमर्श एवं 18 एवं 19 फरवरी 2016 को तीन परामर्शी बैठकें आयोजित की गई।
- रा.औ.पा.बो., नई दिल्ली द्वारा निधिकृत परियोजना के तहत 11 मार्च 2016 को निचार, किन्नौर (हि. प्र.) में 'हिमालयी औषधीय पादपों' पर कैम्प कार्यशाला जिनमें 40 भागीदार शामिल हुए।

★ **वन–आधारित आजीविका एवं विस्तार केंद्र (व.आ.वि.कें.), अगरतला** ने निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए :

- वैद्यराज जड़ी उत्पादक, सोसाइटी, कंचनपुर के सहयोग से 'जड़ीय बगीचों के प्रबंधन परम्परागत चिकित्सा पद्धतियों के प्रलेखीकरण' पर 9 और 10 मार्च 2016 को कार्यशाला।
- 'बीज श्रेणीकरण तथा झूम फसलों में उत्पादकता वृद्धि हेतु खेतों में परीक्षण' पर 3 मार्च 2016 को कार्यशाला।
- पंचाई किसान कलब के सहयोग से पश्चिमी त्रिपुरा जिले में 12 मार्च 2016 को, खोआई जिले में 13 मार्च 2016 तथा सिपाईजाला, त्रिपुरा में 14 मार्च 2016 को ''वन आधारित आजीविका के कार्यक्षेत्रीय प्रदर्शन के जरिये प्रौद्योगिकी विस्तार'' पर प्रशिक्षण एवं कार्यशाला, जिनमें 137 लोगों ने भाग लिया।
- आजीविका विकास के लिए 'कृषि पद्धति में सुधार' पर 10 जनवरी 2016 को सम्पर्क बैठक तथा सहभागिता योजना का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न गांवों के 34 लाभार्थियों ने भाग लिया।

★ **वन जैवविविधता संस्थान (व.जै.वि.), हैदराबाद** द्वारा ''भारत के कछारी वनों का संरक्षण, पुनरूर्स्थापन और सतत् प्रबंधन'' पर 15 से 17 जून 2016 तक विशाखापटट्नम में राष्ट्रीय सेमीनार आयोजित किया गया।

• प्रशिक्षण कार्यक्रम

★ **भा.वा.अ.शि.प., देहरादून** ने निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये :

- 1 से 3 फरवरी 2016 तक ''आपदा प्रबंधन में वनों की भूमिका''
- सरकारी क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिकों और तकनीकियों के लिए ''जलवायु परिवर्तन : संवेदनशीलता एवं अनुकूलन रणनीतियों'' पर 8 से 12 फरवरी 2016 तक तथा ''जलवायु परिवर्तन एवं कार्बन न्यूनीकरण पर 22 से 26 फरवरी 2016 तक।

★ **व.अ.सं., देहरादून** ने निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये :

- भारतीय कोस्ट गार्ड के 13 कमांडरों के लिए ''तटीय पारितंत्र का संरक्षण एवं प्रबंधन'' पर 11 से 15 जनवरी 2016 तक ।
- 25 से 30 जनवरी 2016 तक वन संवर्धन/वानिकी पर प्रशिक्षण कोर्स जिसमें प्रादेशिक सेना के ईको–टास्कफोर्स के भागीदार शामिल हुये।
- कांडी क्षेत्र के तलवाड़ा ब्लाक के रामगढ़ सीकरी स्वावलम्बी वर्ग के लिए ''*लैन्टाना कमारा* के हस्तनिर्मित कागज पर 8 से 12 फरवरी 2016 तक ।
- कीट प्रबंधन संघ, पूना के सहयोग से 26 एवं 27 फरवरी 2016 तक ''दीमक प्रबंधन एवं काष्ठ परिरक्षण'' पर जिसमें 135 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
- व.अ.सं, में 29 फरवरी से 4 मार्च 2016 तक हिमाचल प्रदेश के 25 शिल्पियों के लिए राज्य वन विभाग द्वारा प्रायोजित ''बांस हस्तशिल्प को तैयार करने'' हेतु प्रशिक्षण।
- भारतीय फार्म फारेस्ट्री विकास को – आपरेटिव लिमिटेड, गुडगाँव, हरियाणा के कार्यक्षेत्रीय स्टाफ के लिए 27 से 30 जून 2016 तक ''पौधशाला उगाने की तकनीकें एवं प्रबंधन पर।
- ''खनिज भूमियों के पारितंत्रीय पुनर्स्थापन'' पर बी.सी.सी.एल., धनबाद के 30 कर्मियों के लिए 14 से 18 मार्च।

★ **व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर** ने जैव विविधता अधिनियम, 2002 के प्रति जागरूक करने के लिए 17 से 19 फरवरी 2016 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

जैव विविधता अधिनियम, 2002 पर
व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर द्वारा प्रशिक्षण

★ **का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू** ने ''काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी'' पर केन्द्रीय राज्य वन अकादमी, कोयम्बटूर के राज्य वन अधिकारियों के लिए 11 से 15 जनवरी 2016 तक तथा अन्य वन कर्मियों के लिए 23 मार्च 2016 को तथा 28 एवं 29 मार्च 2016 को प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया।

★ **शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (शु.व.अ.सं.), जोधपुर** ने राज्य वन विभाग, राजस्थान के सहयोग से ''मरू प्रसार रोक हेतु पौधरोपण एवं जन भागीदारी'' पर रेगिस्तानीकरण पर रोक दिवस 17 जून 2016 के अवसर पर प्रशिक्षण का आयोजन किया, जिसमें 259 लोगों ने भाग लिया।

★ **वानिकी अनुसंधान तथा मानव संसाधन विकास केंद्र (वा.अ.मा.सं.वि.कें.), छिन्दवाड़ा** ने निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये :–

- ''एन.टी.एफ.पी. के निरन्तर फसलीकरण, प्रक्रमण तथा मूल्य वृद्धि'' पर 20 जनवरी 2016 को रेंज ऑफिस छिन्दी, पूर्वी वन प्रभाग, जिला छिन्दवाड़ा में।
- ''परागणकर्ता किसान मित्र कीटों तथा जैवकीटनाशकों'' पर पटपाड़ा ग्राम, छिन्दवाड़ा में 17 फरवरी 2016 को 42 किसानों तथा ग्रामीणों के लिए।
- ''चिरौंजी की पौधशाला तकनीकों पर मोरडोंगरी खुर्द गांव, छिन्दवाड़ा में 18 मार्च 2016 को 33 किसानों और ग्रामीणों के लिए।
- ''महुआ जैवउर्वरकों तथा जैवकीटनाशकों का संग्रह, प्रक्रमण तथा मूल्यवृद्धि'' पर आमला गांव छिन्दवाड़ा में 28 किसानों और ग्रामीणों के लिए 29 मार्च 2016 को।
- पर्यावरण जागरूकता पर सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गुरिया, छिंदवाड़ा में 29 जून 2016 को स्कूल के अध्यापकों और विद्यार्थियों के लिए।

★ **उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (उ.व.अ.सं.), जबलपुर** द्वारा म.प्र. राज्य वन विभाग द्वारा निधिकृत परियोजना के अंतर्गत ''वन पौधशालाओं में जैवउर्वरकों के प्रयोग'' पर 24 जून 2016 को।

★ **हि.व.अ.सं., शिमला** द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए :

- प्रदर्शन ग्राम लानाबांका, सिरमौर, हिमाचल प्रदेश में 25 किसानों के लिए 16 फरवरी 2016 को।
- रा.औ.पा.बो. द्वारा निधिकृत परियोजना के तहत 'आतिश, बन ककड़ी, चोरा तथा अन्य महत्वपूर्ण शीतोष्ण औषधीय पादपों की खेती' पर 40 भागीदारों हेतु भुट्टी, शिमला में दिनांक 17 फरवरी 2016 को।
- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की योजना 'अन्य सेवाओं के लिए कार्मिकों का प्रशिक्षण' के तहत 'जल संभरणों का पुनर्स्थापन' पर 31 भागीदारों के लिए 2 एवं 3 मार्च 2016 को।
- 'नाशी कीटों तथा ज्यूनीपर की बीमारियों के प्रबंधन' पर रेकोंगीपियो, किन्नौर में 40 किसानों और हिमाचल प्रदेश राज्य वन विभाग के अग्रगामी स्टॉफ हेतु 10 मार्च 2016 को।
- रा.औ.पा.बो. द्वारा निधिकृत परियोजना के तहत 'आतिश, बन ककड़ी, चोरा तथा अन्य महत्वपूर्ण उच्च मूल्य के शीतोष्ण औषधीय पादपों' पर कृषि विज्ञान केंद्र (एस. के. यू. ए. एस. टी, जम्मू), भदरवाह, जम्मू में 40 भागीदार हेतु 4 फरवरी 2016 को।

★ **वर्षा वन अनुसंधान संस्थान (व.व.अ.सं.), जोरहाट** ने निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए :

- बांस हस्तशिल्प पर 1 से 13 फरवरी 2016 तक असम व मेघालय के प्रशिक्षणार्थियों हेतु।
- '*एक्वीलेरिया मेलाक्सिनसिस*' में अगर काष्ठ के कृत्रिम संयोजन हेतु पौधशाला, रोपण प्रबंधन तकनीकों' पर महाराष्ट्र और जोरहाट (असम) के दो प्रशिक्षणार्थियों के लिए 4 से 6 फरवरी 2016 तक।
- गैर सरकारी संगठनों एवं स्वावलंबी वर्ग के 25 भागीदारों हेतु 18 फरवरी 2016 को एन. ए. बी. ए. आर. डी., जोरहाट द्वारा प्रायोजित पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- गुजरात और महाराष्ट्र के पांच प्रशिक्षणार्थियों के लिए 29 फरवरी 2016 से 4 मार्च 2016 तक 'प्रसार, पौधशाला प्रबंधन, वाणिज्यिक खेती तथा बांस की मूल्यवृद्धि' पर डी. एच. आर. यू. वी. ए.– बी. ए. आई. एफ., नवसारी, गुजरात द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण।
- 'बांस आधारित जीविकोपार्जन उपायों तथा अन्य वृक्ष प्रजातियों' पर असम के तिनसुकिया जिले के 15 किसानों, शिल्पकारों के लिए व.व.अ.सं., जोरहाट में 14 और 15 मार्च 2016 को प्रशिक्षण।
- 'बांस और बेंत की खेती तथा बांस तारकोल' बनाने के लिए बां.बें.उ.अ.कें., ऑइजॉल में 30 किसानों के लिए 29 और 30 मार्च 2016 को।

बां.बें.उ.अ.कें., ऑइजॉल द्वारा बांस और बेंत की खेती और बांस का तारकोल बनाने' पर प्रशिक्षण

- वन संवर्धन पर 25 अप्रैल से 7 मई 2016 तक 2016–17 बैच के केंद्रीय राज्य वन सेवा अकादमी, बर्नीहाट, मेघालय के 29 प्रशिक्षणार्थी वन रेंज अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम।

★ **वन–आधारित आजीविका एवं विस्तार केंद्र (व.आ.वि.कें.), अगरतला** ने निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए :

- नोवागांव बांस उत्पादक सोसाइटी के सहयोग से कम लागत की वर्मी कम्पोस्टिंग तकनीकों पर बजलघाट में 11 जनवरी 2016 को, जिसमें गांवों से करीब 40 लाभार्थियों ने भाग लिया।
- 'ग्रामीण सुधार एवं अनुसंधान पर लोक प्रतिक्रिया संघ' के सहयोग से कम लागत की वर्मी–कम्पोस्टिंग तकनीकों पर 18 जनवरी 2016 को तथा 26 जनवरी 2016 को।
- अगर काष्ठ की पौधशाला और रोपण तकनीकों तथा *एक्वलेरिया मेलाक्सीनसिस* पर उसके कृत्रिम संचरण के लिए 4 एवं 5 फरवरी 2016 को महाराष्ट्र और असम के किसानों के लिए।
- बांस पौधशाला प्रबंधन तथा बांस उपचार पर 16 फरवरी 2016 को।
- व.आ.वि.कें. में बांस और बेंत विकास संस्थान द्वारा वर्मी कम्पोस्टिंग पर 18 फरवरी 2016 को।
- त्रिपुरा बांस मिशन के लाभार्थियों के लिए 20 जून 2016 को खास चोऊमुहानी में बांस प्रवर्धन एवं पौधशाला प्रबंधन पर।
- 21 से 23 जून 2016 तक नोनी, तबंगलांग, मणिपुर में बांस प्रसार पर प्रशिक्षण।

★ **वन उत्पादकता संस्थान (व.उ.सं.), रांची** द्वारा आगाखां ग्रामीण सोसाइटी कार्यक्रम, पूसा, बिहार के लिए 1 से 3 मार्च 2016 तक प्रशिक्षण एवं अभिज्ञता दौरा आयोजित किया गया।

★ **व.जै.सं., हैदराबाद** ने निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए :

- 'सफल कृषिवानिकी मॉडल्स' पर 2 और 3 फरवरी 2016 तथा 24 और 25 फरवरी 2016 को रा.औ.पा.बो. द्वारा निधिकृत दो प्रशिक्षण।
- कृषिवानिकी मॉडल में औषधीय पादपों की खेती पर किसानों के लिए 14 एवं 15 मार्च 2016 को।

• अनुसंधान निष्कर्ष

★ **वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून**

जीव विज्ञानीय नियंत्रण के लिए महत्वपूर्ण परजीवियों की दो प्रजातियों यथा : *साइलीफैगस अर्जुना* सिंह 2016 तथा *पैराफीनायडिस्कस उदयवीरी* सिंह, 2016 को विज्ञान में नई प्रजातियों के रूप में वर्णित किया गया।

★ **व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर**

एनाकट्टी, कोयम्बटूर, तमिलनाडु में एक किसान की रोपणी में महोगनी पर नई कीट की समस्या का पता लगा। जांच करने पर पता चला कि वह बोस्ट्रीकिड भृंग (बीटल) का आक्रमण था। यह कीट महोगनी उत्पादकों के लिए बड़ी समस्या है।

★ **का.वि.प्रौ.सं, बंगलुरू**

- यूकेलिप्टस संकर के 10%, 20% तथा 90% सम्मिश्रणों का प्रयोग करते हुए जर्मक्लीन, सनफ्लावर तथा लेवेंडर तेल को एफ एफ डी सी, कन्नौज के सहयोग से विकसित किया गया।
- चंदन काष्ठ उपजाऊ क्षेत्रों में कोक्सीनेलिड्स की कुल 25 प्रजातियों को अत्यंत सक्रिय पाया गया। कोक्सीनेलिड्स की चिन्हित 25 प्रजातियों में से *क्राइप्टोलीमस मोन्ट्रोजेरी* तथा *काइलोकोरस नाइग्रिटा* को चंदनकाष्ठ स्केल्स तथा मीलीबग की क्षमतावाली परभक्षक पाया गया।

★ **उ.व.अ.सं, जबलपुर**

- थोम्सीडाई कुल के अंतर्गत *बोमिस* प्रजा. के रूप में वंश स्तर पर एक नई मकड़ी की पहचान की गई।

• प्रकाशन

★ **भा.वा.अ.शि.प.** ने 'बिहार राज्य की समुदाय आधारित समन्वित योजना' नामक परियोजना के तहत एक पुस्तक 'पाप्लर : समृद्धि का वृक्ष' का हिंदी में प्रकाशन किया।

★ **वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून** ने निम्नलिखित रिपोर्ट/कार्यवाहियां प्रकाशित की :

- 'गंगा के लिए वानिकी हस्तक्षेप पर डी पी आर' दो खंडो में।
- 13वें वृक्ष संवर्धन सम्मेलन (24 से 28 नवम्बर 2014 तक) की कार्यवाही, दो खंडों में।

★ **व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर** ने निम्नलिखित पुस्तकें/ब्रॉशर्स आदि प्रकाशित किए :

- 'शोला वृक्षों पर चित्रमय मार्गदर्शिका'
- अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस के आयोजन पर एक ब्रॉशर

★ **का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू** द्वारा 'दक्षिण भारत में भोज्य बांस तनों की खेती की संभावनाओं' पर तकनीकी बुलेटिन का प्रकाशन।

परामर्शी सेवाएं

★ बिहार राज्य कैम्पा निधि के तहत बिहार राज्य वन विभाग की रोपण योजनाओं के मूल्यांकन हेतु 8 मार्च 2016 को सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर।

★ केंद्रीय खनन योजना एवं अभिकल्प संस्थान, रांची के द्वारा माहन आरक्षित वन, सिंगरौली, मध्य प्रदेश के मार्की वरका पूर्वी ब्लाक (1000 हे.) तथा पश्चिमी ब्लॉक (800 हे.) सिंगरौली कोयला क्षेत्र में स्थलीय वनस्पतियों एवं जीवजंतुओं पर अंवेष्णात्मक वेधन के पूर्व और परावर्ती प्रभावों के अध्ययन हेतु परामर्श अनुबंध।

★ 'कैम्पा के तहत उगाई जाने वाली रोपणियों के मॉनीटरिंग तथा मूल्यांकन' हेतु हि.व.अ.सं., शिमला को हिमाचल प्रदेश राज्य वन विभाग, शिमला के जरिए परामर्श अनुबंध।

★ बी सी सी एल, धनबाद के तेतुलमारी सिजुआ क्षेत्र के पारितंत्रीय पुनर्स्थापन कार्यस्थल में जैवविविधता और इसके संरक्षण में वृद्धि हेतु बी सी सी एल, धनबाद द्वारा परामर्श अनुबंध।

वृक्ष उत्पादकों का मेला/किसान मेला/बांस हस्तशिल्प मेला

★ 'बांस संसाधन प्रबंधन एवं उपयोजन विकल्पों' के अध्ययन पर बांस तकनीक सहायता वर्ग, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून के तत्वाधान में 23 से 25 फरवरी 2016 तक का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू द्वारा बांस हस्तशिल्प मेला आयोजित किया गया।

★ वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने निम्नलिखित प्रदर्शनियों में भाग लिया और अपने क्रियाकलापों को प्रदर्शित किया :

- आई.टी.बी.पी., सीमाद्वार, देहरादून में 7 से 9 फरवरी 2016 तक बसंत मेला 2016।
- 10 फरवरी 2016 को झाझरा, देहरादून में उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं तकनीकी परिषद् की प्रदर्शनी।
- आसन बैराज, देहरादून में 11 से 14 फरवरी 2016 तक दूनघाटी बसंत पक्षी महोत्सव।

★ भा.वा.अ.शि.प. ने मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूरू में 3 से 7 जनवरी 2016 तक आयोजित भारतीय विज्ञान कांग्रेस प्रदर्शनी में भाग लिया जिसमें का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू ने भा.वा.अ.शि.प. के क्रियाकलापों का प्रदर्शन किया।

★ का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू ने अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन केंद्र, बंगलुरू में 25 से 29 फरवरी 2016 तक आयोजित 'भारतीय काष्ठ 2016' में भाग लिया।

★ उ.व.अ.सं., जबलपुर ने निम्नलिखित मेला/मीट्स में भाग लिया :

- मजीठा में राज्य बांस मिशन, भोपाल द्वारा 11 जनवरी 2016 को आयोजित 'बांस पर किसान उद्योग का सम्मेलन'।
- कृषि विज्ञान केंद्र, घाटखेड़, अमरावती में 19 फरवरी 2016 को किसान मेलावा।
- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सिहोर में 24 से 26 फरवरी 2016 तक लोक सूचना अभियान।
- 5 मार्च 2016 को कृषि विज्ञान केंद्र, गोंदिया, महाराष्ट्र में शेतकारियों का मेलावा।

★ व.आ.वि.कें., अगरतला ने नजरूल कलाक्षेत्र में 26 मार्च 2016 को वानिकी आजीविका मेला आयोजित किया जिसका उद्घाटन श्री नरेश जमातिया, माननीय मंत्री, वन एवं ग्रामीण विकास, त्रिपुरा सरकार द्वारा किया गया।

★ व.व.अ.सं., जोरहाट ने 'एम एस एम एक्सपो जोरहाट 2016' में 9 एवं 10 फरवरी 2016 को भाग लिया।

★ व.व.अ.सं., जोरहाट ने 12 से 14 फरवरी 2016 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित 'डेस्टीनेशन नार्थ–ईस्ट 2016' नामक प्रदर्शनी में भा.वा.अ.शि.प. का प्रतिनिधित्व किया।

प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 'डेस्टीनेशन नार्थ– ईस्ट 2016' की प्रदर्शनी में व.व.अ.सं, जोरहाट का प्रदर्शन स्टाल

★ शु.व.अ.सं., जोधपुर ने निम्नलिखित समारोहों में स्टाल लगाकर भाग लिया :

- जोधपुर में पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव 2016, 7 से 17 जनवरी 2016 तक।
- आरोग्यम– 2016 मेले, जोधपुर में 28 से 31 जनवरी 2016 तक।
- तिलहन उत्पादन पर कार्यक्षेत्रीय दिवस 14 जनवरी 2016।
- 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, जागरूकता अभियान एवं किसान मेला', लुनावस खारा गांव, जोधपुर में 3 अप्रैल 2016 को।

• विविध

✶ अंतर्राष्ट्रीय वन/विश्व वानिकी दिवस

- अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस 21 मार्च 2016 को व.आ.वृ.प्र.सं कोयम्बटूर एवं व.अ.सं., देहरादून में मनाया गया।

✶ पृथ्वी दिवस

- 46वां पृथ्वी दिवस हि.व.अ.सं., शिमला में 22 अप्रैल 2016 को डब्ल्यू डब्ल्यू एफ (शिमला ऑफिस) के सहयोग से मनाया गया। पृथ्वी दिवस तथा वृक्षारोपण महोत्सव का आयोजन व.आ.वि.कें., अगरतला द्वारा भी किया गया।

✶ अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस

- अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 22 मई 2016 को भा.वा.अ.शि.प., देहरादून, व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर, हि.व.अ.सं., शिमला, शु.व.अ.सं., जोधपुर, उ.व.अ.सं., जबलपुर, व.व.अ.सं., जोरहाट, वा.अ.मा.सं.वि.कें.,छिंदवाड़ा तथा व.आ.वि.कें., अगरतला में मनाया गया।

✶ विश्व पर्यावरण दिवस

- विश्व पर्यावरण दिवस तथा व.अ.सं. दिवस का आयोजन 5 जून 2016 को व.अ.सं., देहरादून में बड़े उत्साहपूर्वक मनाया गया। यह दिवस व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर; का.वि.प्रौ.सं.,बंगलुरू; व.व.अ.सं., जोरहाट; शु.व.अ.सं, जोधपुर तथा व.आ.वि.कें., अगरतला में भी मनाया गया।

✶ रेगिस्तान का मुकाबला करने हेतु विश्व दिवस

- इस अवसर पर 17 जून 2016 को शु.व.अ.सं., जोधपुर में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए। वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में इस अवसर पर 'भूमि निम्नीकरण रोकने के लिए आपसी सहयोग' पर सेमीनार आयोजित किया गया।

• विदेश यात्राएं

✶ डॉ. मथीश, एन. वी., वैज्ञानिक – ई, व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर ने ओस्नबर्क विश्वविद्यालय, जर्मनी में 13 से 26 फरवरी 2016 तक अनुसंधान कार्य हेतु यात्रा की।

✶ श्री जावेद अशरफ, वैज्ञानिक – बी, व.अ.सं., देहरादून ने 24 फरवरी से 25 मार्च 2016 तक सिमपोजियम में सांख्यिकी विशेषज्ञ के रूप में भाग लेने हेतु क्योटो, जापान की यात्रा की।

✶ श्री वी.आर.एस. रावत, वैज्ञानिक– एफ, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने 16 से 26 मई 2016 तक भारत सरकार के प्रतिनिधि मंडल के सदस्य के रूप में यू एन एफ सी सी सी के आनुषंगिक निकाय के 44वें सत्र में भाग लेने हेतु बॉन्न, जर्मनी की यात्रा की।

✶ डॉ. टी.पी. सिंह, स.म.नि. (बी.सी.सी.), भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने आर ई डी डी+ मॉनीटरिंग, मापन, रिर्पोटिंग तथा सत्यापन कार्यशाला में भाग लेने हेतु 25 से 27 मई 2016 तक बैंकॉक, थाईलैण्ड की यात्रा की।

✶ डॉ. वी.पी. तिवारी, निदेशक, हि.व.अ.सं., शिमला ने 1 जून से 30 जून 2016 तक, ई यू निधिकृत इरेसमस मुंडस एक्शन 2 स्मार्टलिंक परियोजना फेलोशिप के तहत 'प्रशासनिक स्टॉफ' गतिशीलता पर जार्ज – अगस्त विश्वविद्यालय, गाट्टीन्जेन, जर्मनी की यात्रा की।

• अकादमिक ऑडिट

✶ भा.वा.अ.शि.प. तथा इसके संस्थानों का अकादमिक ऑडिट मई–जून 2016 में निम्नानुसार किया गया :

भा.वा.अ.शि.प. तथा व.अ.सं.	23 से 26 मई 2016
हि.व.अ.सं., शिमला	17 एवं 18 जून 2016
व.उ.सं., रांची	22 एवं 23 जून 2016
व.व.अ.सं., जोरहाट	24 से 26 जून 2016
शु.व.अ.सं., जोधपुर	30 जून से 2 जुलाई 2016

• वार्षिक समीक्षा

✶ 22 एवं 23 जनवरी 2016 को भा.वा.अ.शि.प. में आयोजित आर. पी. सी. में संस्थानों द्वारा दिए गए 80 नए प्रस्तावों पर 2016–17 हेतु विचार किया गया। समिति द्वारा 121 जारी परियोजनाओं की समीक्षा की गई, जिनमें से 64 परियोजनाएं जिनका बजट परिव्यय रू. 2.91 करोड़ था, जारी रखने हेतु अनुमोदित की गईं।

• विश्वविद्यालयों का प्रत्यायन

✶ विश्वविद्यालयों द्वारा दी गई स्वमूल्यांकन रिपोर्ट का सत्यापन करने हेतु भा.वा.अ.शि.प. की मूल्यांकन टीम ने तीन विश्वविद्यालयों का दौरा किया।

✶ एन टी एफ पी नेटवर्किंग परियोजना के तहत 4 विश्वविद्यालयों को निधि–अवमुक्त की गई।

• राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

✶ भा.वा.अ.शि.प. के संस्थानों में 144 बाह्य सहायता प्राप्त परियोजना जारी हैं, जिनका बजट परिव्यय रू. 58.65 करोड़ है। संस्थानों में बाह्य निधिकरण निकायों के लिए 161 नई परियोजनाएं प्रस्तुत की हैं , जिनका बजट परिव्यय 111 करोड़ रूपये है।

✶ निम्नलिखित परियोजनाओं तथा सहमति ज्ञापनों को भा.वा.अ.शि.प. /पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के

सक्षम प्राधिकारी के पास अनुमोदन हेतु भेजा गया है :

- व.व.अ.सं., जोरहाट ने आई सी ए आर– राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण ब्यूरो एवं भूमि उपयोजन योजना, उत्तर–पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, जोरहाट के साथ समझौता।
- का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू तथा मैसर्स स्पेक्ट्रस इंफार्मेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता।
- का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू तथा राष्ट्रीय अनुसंधान विकास कार्पोरेशन के बीच समझौता।
- भा.वा.अ.शि.प. तथा वन विभाग और पार्क सेवाएं, कृषि मंत्रालय एवं वन, रायल भूटान सरकार के साथ सहयोग ज्ञापन।
- भा.वा.अ.शि.प. तथा कसेटसार्ट विश्वविद्यालय, बैंकाक के बीच सहमति ज्ञापन।

★ सहयोगात्मक अनुसंधान, शिक्षा तथा क्षेत्र के पराहिमालयी शीत रेगिस्तान के औषधीय पादपों और अन्य संबंधित विषयों पर भा.वा.अ.शि.प. तथा केंद्रीय अनुसंधान आयुर्वेदिक विज्ञान परिषद्, आयुष विभाग, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के बीच 5 जून 2016 को सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

• प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

★ व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर ने कैज्यूरिना तथा यूकेलिप्टस के तेजी से उगने वाले 3 से 5 वर्षों के बीच लुगदीकाष्ठ उत्पादित करने वाले 25 कृतकों का विकास किया है। एक प्रगतिशील किसान, श्री टी. उमामहेश्वर राव को संस्थान द्वारा विकसित कैज्यूरिना के तीन कृंतकों के वाणिज्यिक प्रसार का लाईसेंस दिया गया है।

★ का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू और स्पेक्ट्रस इंफार्मेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, बंगलुरू के बीच नवीनतम प्रौद्योगिकी विकसित करने तथा वृहत उत्पादन और उच्च मूल्य अनुप्रयोग के लिए बांस तंतुओं का प्रतिबलित थर्मोप्लास्टिक कम्पोजिट सामग्री का वाणिज्यीकरण करने हेतु 29 अप्रैल 2016 को सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

• प्रतिष्ठित व्यक्तियों का दौरा

★ श्री प्रकाश जावड़ेकर, माननीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, भारत सरकार ने 9 जनवरी 2016 को उच्च अनुसंधान केंद्र, बांस एवं बेंत (बां.बें.उ.अ.कें.), आईजॉल का दौरा किया। उन्होंने 2 फरवरी 2016 को व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर का भी दौरा किया।

★ श्री मिखाइल तारासोव, ग्लोबल वानिकी प्रबंधन, आई के ई ए, स्वीडन ने 7 अप्रैल 2016 को ए. आर. सी. बी. आर. का दौरा किया।

★ प्रो. रमेशचंद, सदस्य नीति आयोग, नई दिल्ली ने 22 अप्रैल 2016 को बां.बें.उ.अ.कें., आईजॉल का दौरा किया।

★ प्रधान मुख्य वन संरक्षक (आर ई एण्ड टी), महाराष्ट्र वन विभाग ने 6 मई 2016 को का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू के दौरा किया।

★ श्री अजय नारायण झा, सचिव, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली ने 20 मई 2016 को भा.वा.अ.शि.प. तथा व.अ.सं. का दौरा किया।

★ डॉ. डी. एन. तिवारी, पूर्व महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. एवं सदस्य योजना आयोग, भारत सरकार ने 27 मई 2016 को का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू का दौरा किया।

★ माननीय वन मंत्री श्री नरेश जमातिया ने अपर प्र.मु.व.सं. तथा मु.व.सं., त्रिपुरा तथा राज्य वन विभाग के अन्य अधिकारियों के साथ 18 जून 2016 को व.आ.वि.के. का दौरा किया।

• अन्य महत्वपूर्ण क्रियाकलाप

★ व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर के फिशर वनस्पति संग्रहलय के अंकीकरण का पहला भाग पूर्ण कर लिया गया है और 12 अप्रैल 2016 को एक समारोह में अंकीय वनस्पति संग्रहलय वेब–होस्टिंग का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

★ हाल ही में वनों में लगी आग और पर्यावरण, वन, जैवविविधता और वन्यजीवों पर पड़े प्रभाव पर विचार करने और निवारक उपाय अपनाने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण एवं वन, विभाग से संबंधित स्थाई समिति ने 10 एवं 11 जून 2016 को हिमाचल प्रदेश का दौरा किया। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार हि.व.अ.सं. ने इस दौरे का समन्वयन किया।

• बी टी एस जी – भा.वा.अ.शि.प., देहरादून के क्रियाकलाप (राष्ट्रीय कृषि वानिकी एवं बांस मिशन)

★ बांस को उगाने, प्रबंधित करने तथा बाजार में बेचने हेतु झारखण्ड और सीमा से जुड़े राज्यों के किसानों के लिए व.उ.सं., रांची में 1 से 5 फरवरी 2016 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

★ प्रभागीय स्तर के उपभोक्ताओं के लिए राष्ट्रीय बांस डाटाबेस पर प्रशिक्षण कार्यशालाओं की छठी शृंखला का आयोजन अरण्य भवन, पश्चिम बंगाल, कोलकत्ता में 9 फरवरी 2016 को एवं सातवीं शृंखला की प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन, व.व.अ.सं., जोरहाट (असम) में 11 एवं 12 फरवरी 2016 को किया गया।

★ का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू द्वारा बी. टी. एस. जी. – भा.वा.अ.शि.प., देहरादून के तत्वाधान में 23 से 25 फरवरी 2016 को 'बांस संसाधन प्रबंधन एवं उच्च उपयोजन विकल्पों' पर राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया।

• आकाशवाणी/दूरदर्शन के जरिए वानिकी को लोकप्रिय बनाना

★ डॉ. एस. चक्रवर्ती, वैज्ञानिक–एफ की दो वार्ताओं, जैवप्रौद्योगिकी अनुसंधान के अंतर्गत मकड़ी सिल्क का उपयोजन (18 मार्च 2016) तथा कार्बनिक कृषि में नाशीकीटों के नियंत्रण में जैवनियंत्रण एजेंट के रूप में मकड़ी की भूमिका (25 मार्च 2016) का आकाशवाणी द्वारा 'चलती रहे जिंदगी' कार्यक्रम में विविध भारती (भोपाल, इंदौर और जबलपुर) से प्रसारण किया गया।

★ श्री एन. डी. खोबरागडे, वैज्ञानिक – सी ने 16 मई 2016 को आकाशवाणी, छिंदवाड़ा से 'औषधीय पादपों की खेती' पर रेडियो वार्ता दी।

★ श्री ए.जे.के. असइया, अनुसंधान अधिकारी द्वारा आकाशवाणी, छिंदवाड़ा से 16 मई 2016 को 'कृषि वानिकी एवं रोग प्रबंधन' पर रेडियो वार्ता प्रस्तुत की गई।

★ श्री पी.के. कौशिक, वैज्ञानिक – ई तथा श्री अतनुशाह, डी सी एफ, व.आ.वि.कें. ने 16 जून 2016 को 'आजीविका विकास में कम लागत की वर्मी कम्पोस्टिंग की भूमिका' पर हेडलाईंस त्रिपुरा – (प्रतिष्ठित टी वी चैनल) अगरतला से टी वी वार्ता प्रस्तुत की।

• अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

★ यह दिवस 21 जून 2016 को भा.वा.अ.शि.प. के सभी संस्थानों में मनाया गया जिसमें संबंधित संस्थानों/केंद्रों के अधिकारियों, वैज्ञानिकों और उनके परिवारों ने भाग लिया। इसी के साथ, हि.व.अ.सं., शिमला में भी एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें योग प्रशिक्षकों ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला।

• महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. का संस्थानों का दौरा

★ डॉ. अश्वनी कुमार, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. ने भा.वा.अ.शि.प. के संस्थानों का दौरा किया और निम्नलिखित कार्यक्रम के तहत वैज्ञानिकों और अधिकारियों से विचार–विमर्श किया :

- 30 जनवरी 2016 को व.व.अ.सं., जोरहाट।
- 4 एवं 5 मई 2016 को व.उ.सं., रांची।
- 26 से 29 मई 2016 को हि.व.अ.सं., शिमला तथा इसके कार्यक्षेत्रीय अनुसंधान केंद्रों में।
- 4 एवं 5 जून 2016 को शु.व.अ.सं., जोधपुर।
- 10 जून 2016 को व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर का दौरा किया जिसके दौरान 'रक्षण तथा उत्पादन वानिकी के लिए संसाधनों का जैवप्रसार' नामक पोस्टर का विमोचन एवं नवनिर्मित सभागार भवन का उद्घाटन किया।
- 11 एवं 12 जून 2016 को का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरु का दौरा किया।

• राजभाषा समाचार

★ राजभाषा हिन्दी के क्रियान्वयन हेतु निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए भा.वा.अ.शि.प. तथा इसके संस्थानों में विभिन्न क्रियाकलाप किए गए। भा.वा.अ.शि.प. ने 19 जनवरी 2016 तथा 17 मई 2016 को दो राजभाषा प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया। भा.वा.अ.शि.प. ने 17 जून 2016 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, देहरादून की छमाही बैठक में भाग लिया। हि.व.अ.सं., शिमला ने 9 फरवरी 2016 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, शिमला की बैठक में भाग लिया।

संरक्षक:
डॉ. शशि कुमार, महानिदेशक
सम्पादक मण्डल:
श्री एन.एस.बिष्ट, उप महानिदेशक (विस्तार)
अध्यक्ष
श्री राजा राम सिंह, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग)
मानक सम्पादक
श्री रमाकान्त मिश्र, वैज्ञानिक–बी (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग)
सदस्य

प्रत्याख्यान
'वानिकी समाचार'' में दी गयी किसी भी सूचना की सटीकता, संपूर्णता, व्यवहारिकता अथवा सच्चाई के प्रति सम्पादक मण्डल उत्तरदायी नहीं है।

प्रेषक:
श्री राजा राम सिंह
सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार)
विस्तार निदेशालय, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
पो.ओ. न्यू फॉरेस्ट, देहरादून – 248 006
ई–मेल : adg_mp@icfre.org
दूरभाष : 0135–2755221 , फैक्स : 0135–2750693